उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH ER 793958

समक्ष,

क्षेत्रीय निदेशक
राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद,
उत्तर क्षेत्रीय समिति
द्वारिका नई दिल्ली

शपथ पत्र

मैं हरिओम पाण्डेय पुत्र स्व0 श्री रामकुमार पाण्डेय, निवासी–ग्राम बीरसिंहपुर सरैया,सया अम्बेडकर नगर, उ0प्र0 आयु 63 वर्ष लगभग सशपथ बयान देता हूँ–

धारा 01– यह कि शपथी ग्रामर्षि पं0 राम कुमार पाण्डेय ग्रामोदय आश्रम पी0जी0 कालेज,बीरसिंहपुर,सरैया सया अम्बेडकर नगर उ0प्र0(पूर्व नाम–ग्रामोदय आश्रम डिग्री कालेज, बीरसिंहपुर, सरैया सया अम्बेडकर नगर,उ0प्र0) का प्रबंधक है। प्रबंध समिति विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित तथा विधिमान्य है।

धारा 02– यह कि यह महाविद्यालय 1988 से संचालित है,तथा मान्यता/ संबद्धता प्राप्त है। यहाँ इस समय बी0ए0(10विषय), बी0एस–सी0 (05विषय), बी0काम0,बी0एस–सी0(कृषि) तथा एम0ए0 (09विषय), एम0एस–सी0(05विषय),बी0एड0 तथा बी0पी0एड0 की सम्बद्धता है। 70 से अधिक कक्ष, प्रायोगिक कक्ष, प्रशासनिक कक्ष, व अन्य कक्ष है। इन्डोर स्टेडियम तथा छात्रावास भी है। बस,पुस्तकालय, वाचनालय है। पुस्तकालय बडे कक्ष में है, तथा पुस्तको की संख्या 42000 से अधिक है। महाविद्यालय स्नातक स्तर पर 1999 से तथा परास्नातक स्तर पर 2010 से यू0जी0सी0 के 2-F/12बी0 में पंजीकृत है। शिक्षको/शिक्षणोत्तर स्टाफ की संख्या 80 से अधिक तथा छात्र संख्या 4200 से अधिक है।

धारा 03– इस महाविद्यालय में बी0पी0एड0की मान्यता NCTE.NRC जयपुर के पत्रांक F-3/UP-245/97/2605/03-08-1998 (संसोधित पत्रांक F-3/UP-245/97/3092/11-09-1998) द्वारा 01.07.1998 से प्राप्त है। इसी कम में महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 के द्वारा 01.07.1998 से पत्रांक ई0–8326/जी0एस0–12.11.1998 द्वारा सम्बद्धता प्रदान की गयी और 60 सीटो हेतु सम्बद्धता

देते हुए कक्षा संचालन की अनुमति डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ,अयोध्या द्वारा उनके पत्रांक लो0अ0वि0 / सं0 / 182 / 1999 / 30.05.1999 द्वारा 01.07.1998 से दी गयी, बाद में यह सम्बद्धता महामहिम राज्यपाल उ0प्र0 / शासन / विश्वविद्यालय द्वारा स्थायी सम्बद्धता प्रदान कर दी गयी,01.07.1998 से ही सम्बद्धता / मान्यता प्राप्त कर बी0पी0एड0 पाठय्क्रम यहॉ निरंतर,सतत रूप से अद्यावधिक चल रहा है,और उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर है।

धारा 04 –यह कि बी0पी0एड0 में 05 शिक्षक तथा अन्य कर्मचारी कार्यरत है।

धारा 05– यह कि बी0पी0एड0 का परीक्षाफल प्रारम्भ से ही 90 प्रतिशत से अधिक रहा है,

धारा 06– यह कि इस महाविद्यालय बी0पी0एड0 हेतु सभी अवस्थापना एवं संरनात्मक सुबिधाएं प्रर्याप्त रूप रूप से उपलब्ध हैं।

धारा 07– यह कि इस शपथ पत्र में कही गयी सभी बाते सत्य है, कुछ झूठ नही है, न ही कुछ छिपाया गया है। ईश्वर मुझ पर कृपा करें।

ह0 शपथी

मैं शपथ कर्ता को जानता–पहचानता हूँ।
इन्होने मेरे समक्ष हस्ताक्षर किया ।

ह0

ह0 शपथी